

चौखंड पुं. (देश.) 1. वह घर जिसमें चार खंड हो, चौमंजिला मकान 2. वह घर जिसमें चार आँगन या चौक हों।

चौखंडा पुं. (देश.) डीठा, डिठौना, काला बिंदु जिसे स्त्रियाँ बच्चों के सिर में इसलिए लगा देती हैं जिससे उन्हें नजर न लगे।

चौखट स्त्री. (देश.) 1. द्वार पर लगा हुआ चार लकड़ियों का ढाँचा जिसमें किवाड़ के पल्ले लगे रहते हैं।

चौखटा पुं. (देश.) दे. चौखट, चार लकड़ियों का ढाँचा जिसमें मुँह देखने का या तस्वीर का शीशा जड़ा जाता है, तस्वीर का फ्रेम।

चौखा पुं. (देश.) 1. वह स्थान जहाँ चार गाँवों की सीमा मिलती हो।

चौखूँटा वि. (देश.) जिसमें चार कोने हों, चौकोना, चतुष्कोण।

चौगंडा पुं. (देश.) 1. वह स्थान जहाँ चार गाँवों की सीमा मिली हो, चौहद्दा 2. चार चीजों का समूह।

चौगान पुं. (फा.) 1. गेंद-बल्ले का खेल जो पोलों से मिलता-जुलता है 2. चौगान खेलने की लकड़ी जो आगे की ओर टेढ़ी या झुकी होती है 3. चौगान खेलने का मैदान 4. नगाड़ा बजाने की लकड़ी।

चौगानी स्त्री. (फा.) हुक्के की सीधी नली जिससे धुँआँ खींचते हैं निगाली, सटक।

चौगुना वि. (तद्.) चार बार और उतना ही, चतुर्गुण मुहा. मन चौगुना होना- उत्साह बढ़ना।

चौगून पुं. (देश.) 1. चौगुना होने का भाव 2. आरंभ में गाने या बजाने में जितना समय लगाया जाए, आगे चलकर उसके चौथाई समय में गाना या बजाना।

चौगोड़ा पुं. (देश.) खरगोश, खरहा।

चौगोड़िया स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की ऊँची चौकी जिसके पायों में चढ़ने के लिए सीढ़ी की तरह डंडे लगे रहते हैं, 2. बाँस की तीलियों का बना हुआ एक ढाँचा या फंदा जिसके चारों पल्लों

में तेल में पकाया हुआ पीपल का गोंद लगा रहता है।

चौगोशिया पुं. (देश.+फा.) तुरकी घोड़ा।

चौघड़ पुं. (देश.) चौभड़, किनारे का वह चौड़ा और चिपटा दाँत जो आहार कूटने या चबाने के काम में आता है।

चौघड़ा पुं. (देश.) 1. चाँदी-सोने आदि का बना हुआ एक प्रकार का डिब्बा जिसमें चार खाने बने होते हैं 2. चार खानों का बरतन जिसमें मसाला आदि रखते हैं 3. पत्ते की खोंगी जिसमें चार बीड़े पान हो 4. बड़ी जाति की गुजराती इलायची 5. एक प्रकार का बाजा, चौडोल।

चौघड़िया स्त्री. (देश.) एक प्रकार की छोटी ऊँची चौकी जिसमें चार पाए होते हैं, स्टूल।

चौघड़िया मुहूर्त पुं. (देश.+तत्.) एक प्रकार का मुहूर्त जो प्रायः किसी जल्दी के काम के लिए, एक-दो दिन के अंदर ही निकाला जाता है।

चौघरा पुं. (देश.) 1. पीतल का दीपक जिसके दीए में चार बलितियाँ जलती हैं 2. दे. 'चौघड़ा'।

चौचंद पुं. (देश.) 1. कलंक-सूचक अपवाद, बदनामी की चर्चा, निंदा मुहा. चौचंद पारना- बदनामी करना 2. शोर।

चौचंदहाई वि. (देश.) बदनामी फैलाने वाली, दूसरों की बुराई करने वाली।

चौड पुं. (तत्.) चूड़ाकरण संस्कार वि. चौपट, सत्यानाश।

चौड़ा वि. (देश.) लंबाई से भिन्न दिशा की ओर फैला हुआ, चकला पुं. 1. वह गड़ढा जिसमें अनाज रखते हैं।

चौड़ाई स्त्री. (देश.) लंबाई से भिन्न दिशा की ओर का विस्तार, लंबाई के दोनों किनारों के बीच का फैलाव।

चौड़ान स्त्री. (देश.) दे. चौड़ाई।

चौड़ाना स.क्रि. (देश.) चौड़ा करना, फैलाना।

चौतरफा पुं. (देश.) चारों ओर, चारों तरफ।

चौतरा पुं. (देश.) दे. चबूतरा वि. चार तारों वाला, जिसके चार तार हों।

चौतही स्त्री. (देश.) खेस की बनावट वाला चार तह वाला कपड़ा।